आईडीबीआई का दूसरी तिमाही का निवल लाभ 12% बढ़कर 156 करोड़ रुपये

आईडीबीआई को पहली छमाही में 309 करोड़ रुपये का निवल लाभ

वित्तीय वर्ष 2008 **की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों की विशेषताएं** (**वित्तीय वर्ष** 08 **की दूसरी तिमाही बनाम वित्तीय वर्ष** 07 **की दूसरी तिमाही**)

- **निवल लाभ** 12 % बढ़कर 156 करोड़ रुपये हुआ
- **व्यवसाय** 32% बढ़कर 1,12,355 करोड़ रुपये हुआ
- **जमाराशियां** 61% बढ़कर 50,002 करोड़ रुपये हुईं
- **अग्रिम** 15 % बढ़कर 62,353 करोड़ रुपये हुए
- **कुल परिसंपत्तियाँ** 20% बढ़कर 1,08,640 करोड़ रुपये की हुई

मुंबई,16 **अक्तूबर** 2007: **इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया लि.** (**आईडीबीआई**) के निदेशक मंडल की बैठक आज मुंबई में हुई जिसमें 30 सितंबर 2007 को समाप्त तिमाही और छमाही के वित्तीय परिणामों पर विचार किया गया. बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2007 के लिए 15% के लाभांश की सिफारिश की है.ये परिणाम सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा सीमित समीक्षा किये जाने के अधीन हैं.

कार्य परिणाम:

(**करोड़ रूपये**)

	द्वितीय तिमाही 2007-08	**द्वितीय तिमाही** 2006-07	**प्रथम छमाही** 2007-08	**प्रथम छमाही** 2006-07	**वित्तीय वर्ष** 2006-07
कुल आय	2364	1641	4557	3309	7373
ब्याज आय	1901	1449	3694	2833	6346
गैर-ब्याज आय	463	192	863	476	1027
कुल व्यय	1985	1508	3921	2984	6466
ब्याज व्यय	1756	1314	3486	2600	5688
परिचालन व्यय	229	194	435	384	778
परिचालन लाभ	379	133	636	325	907
प्रावधान (निवल)	223	(6)	327	35	277
निवल लाभ	156	139	309	290	630

लाभप्रदता:

30 **सितंबर** 2007 **को समाप्त तिमाही और छमाही** में आईडीबीआई को क्रमशः 156 करोड़ रुपये तथा 309 करोड़ रुपये का निवल लाभ हुआ जबकि पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि में यह क्रमशः 139 करोड़ रुपये तथा 290 करोड़ रुपये था.

बैंक ने 30 सितंबर 2007 को समाप्त तीन महीनों के दौरान 202% का उच्च ऊपरी क्षमता अनुपात (कुल आय / परिचालन व्यय) बनाये रखा.

कारोबार :

30 सितंबर 2007 को आईडीबीआई का कुल कारोबार (जमाराशिया एवं अग्रिम) 1,12,355 करोड़ रुपये रहा जबकि 30 सितंबर 2006 को यह 85,262 करोड़ रुपये था. इसमें 32 % की वृद्धि हुई.

30 सितंबर 2006 की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर जमाराशियों में 61% की जबरदस्त वृद्धि हुई और ये 30,953 करोड़ रुपये से बढ़कर 50,002 करोड़ रुपये हो गई. कम लागत वाली चालू खाता तथा बचत खाता जमाराशियों(कासा) का कुल जमाराशियों में अब 21% हिस्सा है.

अग्रिमों में 15% की वृद्धि हुई और ये सितंबर 2006 के अंत के 54,309 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 62,353 करोड़ रुपये हो गये.

30 सितंबर 2007 के अंत में कुल परिसंपत्तियाँ 1,08,640 करोड़ रुपये हो गईं जबकि पिछले वर्ष के इसी समय ये 90,235 करोड़ रुपये थीं. इस प्रकार इनमें 20% की वृद्धि हुई.

निधियों की लागत

30 सितंबर 2007 को समाप्त तिमाही और छमाही के दौरान निधियों की लागत क्रमशः 7.72% तथा 7.66% थीं जबकि पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान यह क्रमशः 6.66%तथा 6.64% थीं. दूसरी ओर 30 सितंबर 2007 को समाप्त तिमाही और छमाही के दौरान परिसंपत्तियों पर प्रतिफल बढ़कर क्रमशः 9.74% और 9.39% हो गया. पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान यह क्रमशः 7.69% और 7.81% था.

सीएआर:

आईडीबीआई ने सुदृढ़ पूंजी आधार बनाये रखना जारी रखा, जैसाकि इसके पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) से पता चलता है. रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 9% के मानदंड की तुलना में 30 सितंबर 2007 को बैंक का सीएआर 14.10% (टीयर 1: 8.95%) रहा. 30 जून 2007 को बैंक का सीएआर 14.38% (टीयर 1: 9.28%) था.यह कारोबार में और वृद्धि के लिए पर्याप्त गुंजाइश का सूचक है.

अप्रैल-सितंबर 2007 के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियां

- बैंक ने अपने ग्राहकों को निर्बाध बैंकिंग अनुभव की सुविधा देने के लिए अपनी आईटी सहयोगी संस्था - आईडीबीआई इंटेक लिमिटेड के सहयोग से सितंबर 2007 के अंत तक **पूर्ववर्ती युनाइटेड वेस्टर्न बैंक (यूडब्ल्यूबी) की शेष 69 शाखाओं को** बैंक के कोर बैंकिंग प्लेटफॉर्म अर्थात् फिनैकल में सफलतापूर्वक **अंतरित** कर दिया. बैंक ने इसके पहले **पूर्ववर्ती यूडब्ल्यूबी की 174 शाखाओं को** 16 अप्रैल 2007 से एक साथ फिनैकल टेक्नॉलाजी प्लेटफॉर्म में सफलतापूर्वक **अंतरित किया था.**
- वर्तमान में **आईडीबीआई** के पास 453 शाखाओं और 555 एटीएम का डिलीवरी प्लेटफॉर्म है जो 257 केंद्रों में फैला हुआ है. आज आईडीबीआई **एक पूर्ण रूप से प्रौद्योगिकी आधारित बैंक है.**
- बैंक की पूर्ण स्वामित्ववाली सहयोगी संस्था **आईडीबीआई गिल्ट्स लिमिटेड**, प्राइमरी डीलरशीप कोराबार करने के लिए वित्तीय वर्ष 2007 की अंतिम तिमाही में बनायी गयी थी. इस कंपनी ने 24 जुलाई 2007 से अपने परिचालन शुरू कर दिये हैं.
- आईडीबीआई ने 18 जून 2007 को मुंबई स्थित कॉरपोरेट मुख्यालय में अपना **केंद्रीकृत**, **अत्याधुनिक**, **समन्वित ट्रेजरी** प्रारंभ किया.
- 10 अप्रैल 2007 को आईडीबीआई और **इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनॉन्स कंपनी लि. (आईआईएफसीएल)** ने बुनियादी परियोजनाओं की सहायता के लिए, जिनमें धन वापसी की अवधि काफी लंबी होती है, अपने संसाधनों और विशेषज्ञता को एक साथ और स्पर्धात्मक शर्तों पर निधियों को एकत्रित रूप में लगाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये. इससे पहले आईडीबीआई ने **भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)** के साथ बुनियादी परियोजनाओं सहित लंबी अवधि में पूर्ण होने वाली परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए ऐसे ही समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये थे.